वर्ष 2025 माह अप्रैल अंक 40

देश की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफ बिहार की प्रस्तुति

बालमन

बच्चों की प्रतिभा को दे एक नया आयाम।
बालमन से मिले हर प्रतिभा को सम्मान।।

नि:शुल्क बालमन को पढ़ने के लिए
QR कोड स्कैन करें या क्लिक करे

रश्मि प्रभा

कार्यालय
संयुक्त निदेशक
राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद
पटना(बिहार)

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर बहुत प्रसन्नता हुई कि हमारे सरकारी विद्यालय के छात्र/छात्राओं को जागरूक बनाने तथा प्रतिभावान बच्चों के प्रतिभा को प्रदर्शित कर प्रोत्साहित और सम्मानित करने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार 'बाल मन' पत्रिका का प्रकाशन विगत कई वर्षों से कैमूर जिले के शिक्षक सह प्रधान संपादक श्री धीरज कुमार द्वारा किया जा रहा है। इस प्रकार की मासिक पत्रिका का प्रकाशन बच्चों के सृजनात्मक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके माध्यम से बच्चें ज्ञान, कला और सृजनशीलता के साथ सुनहरे भविष्य के लिए अपना मार्ग प्रशस्त करेंगे।
आशा है कि इस बाल मन पत्रिका से विद्यार्थी ,शिक्षक एवं समाज में सकारात्मक और उन्नत सोच विकसित होगा।

मैं इस उपयोगी पत्रिका के प्रकाशन के लिए बधाई देते हुए राज्य स्तर पर विद्यार्थी हित में बाल मन के प्रकाशन की सफलता हेतु अपनी शुभकामना व्यक्त करती हूँ।

रश्मि प्रभा
ज्वाइंट डायरेक्टर
SCERT पटना (बिहार)

05 अक्टूबर 2024

सम्पादकीय

प्यारे बच्चों,

सच ही कहा गया है कि समय बड़ा बलवान होता है।देखते ही देखते मौसम भी बदल गया और पढ़ाई का हमारा सत्र भी।नए सत्र और नए वर्ग में हमारी जिम्मेदारी भी बढ़ गई है।हमारे विद्यालय में प्रवेशोत्सव मनाया जा रहा है ताकि कोई भी बच्चा नामांकन से वंचित न रहे।प्रातःकालीन विद्यालय में आते समय तो ठीक है पर जाते समय बहुत तेज धूप और गर्म हवा हमें प्रभावित कर सकती हैं।सभी बच्चों से अनुरोध होगा कि अपने साथ पानी का बोतल और गमछी/तौलिया जरूर साथ रखे। आप सभी जिस तरह से बालमन से जुड़ कर अपनी प्रतिभा और कला को हम तक पहुंचाते हैं, ऐसे ही जारी रखे। राज्य स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर आपकी प्रतिभा सभी को पसंद आ रही है।

बच्चो ! हमे आपको बताते हुए बहुत ही हर्ष हो रहा हैं कि टीचर्स ऑफ बिहार बालमन सभी के बीच काफी लोकप्रिय है। हम शुरू से बेहतर से बेहतरीन की ओर अग्रसर है। इस महीने की पत्रिका को आपको समर्पित करते हुए हमे बहुत खुशी हो रही है। आज का जमाना सोशल मीडिया का है। यदि आपके पास कला है तो उसे अपने शिक्षको से जरूर साझा करे और बालमन की टीम के माध्यम से उसे जरूर हम तक पहुंचाए। हमारी ToB बाल मन पत्रिका की टीम बेहतर से बेहतर करने के लिए सदा प्रयत्नशील है। अनजाने में कोई भूल या त्रुटि हुई हो तो उसके लिए हम क्षमाप्रार्थी है। हम आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते है।

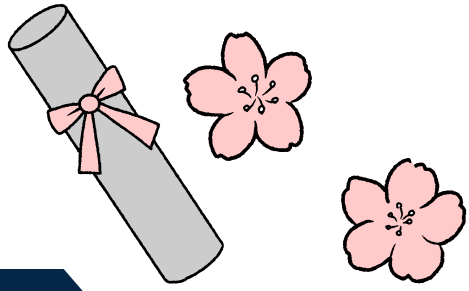

शुभकामनाओं सहित
धीरज कुमार
प्रधान संपादक (बालमन पत्रिका)
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा
भभुआ, कैमूर (बिहार)

बालमन सम्पादक मंडल

प्रधान सम्पादक सह ग्राफिक्स डिजाइनर

धीरज कुमार, उ. म. वि. सिलौटा, भभुआ कैमूर (बिहार)

राष्ट्रीय समन्वयक समिति

1. शरद कुमार वर्मा (उत्तर प्रदेश)
2. निकिता चौधरी (गुजरात)
3. सिध्दार्थ सपकाळे (महाराष्ट्र)
4. दीपिका श्रीवास्तव एवं राघवेंद्र चंद्रा (छत्तीसगढ़)
5. अभय शर्मा (मध्य प्रदेश)
6.सुमन रानी(उत्तराखंड)

राज्य समन्वयक समिति

1. कुमार राकेश मणि, उ. मा. वि. कोटा, नुआंव (कैमूर)
2. राजेश कुमार सिंह,महाबल भृगनाथ +2उच्च विद्यालय कोरीगांवा बहेरा, भभुआ (कैमूर)
3. राकेश कुमार, म.वि. बलुआ, मनेर (पटना)
4. पुनीता कुमारी, रा.म.वि. नेउरी, बरौली, (गोपालगंज)
5. पुष्पा प्रसाद, राजकीय कन्या मध्य विद्यालय कुचायकोट (गोपालगंज)
6.रवि शर्मा,प्रा.विद्यालय भैसहिया,रामनगर(पश्चिम चंपारण)

संरक्षक

1. शिव कुमार, संस्थापक. टीचर्स ऑफ़ बिहार
2. ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन, TOB तकनीकी टीम लीडर

आपके लिए इस अंक में

	पेज संख्या
1. अनमोल विचार ⟶	01
2. प्रेरक प्रसंग ⟶	02
3. मन की बात ⟶	04
4.अंतर खोजें ⟶	05
5.डॉट्स मिलाओ ⟶	08
6. स्वास्थ्य सुझाव ⟶	10
7.रास्ता खोजें ⟶	15
8. इंग्लिश कॉर्नर ⟶	17
9. वैज्ञानिक कारण ⟶	21
10. हंसी के हंसगुल्ले ⟶	24
11. बालमन कहानी ⟶	27
12. रोचक गणित ⟶	28
13.प्रवेशोत्सव विशेष ⟶	35
14. खेल कॉर्नर ⟶	38
15.कहना जरूरी है ⟶	40
16.वार्षिकोत्सव ⟶	41
17.गुणकारी फल ⟶	42
18.क्विज टाइम ⟶	44
19. बालमन क्रॉसवर्ड ⟶	46
20.बूझो तो जानें ⟶	48
21. विज्ञान कॉर्नर ⟶	54
22.अतीत के पन्नों से ⟶	57
23.शिक्षा शब्दकोश ⟶	59

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

बालमन

अनमोल विचार

भाग्य में विश्वास रखने के बजाए
अपनी शक्ति
और कर्म में विश्वास रखना
चाहिए।

डॉ. भीमराव अंबेडकर
(भारत के पहले कानून मंत्री)

जन्म
14 अप्रैल
1891

मृत्यु
06दिसंबर
1956

प्रेरक प्रसंग

!!आप हाथी नहीं,इंसान हैं !!

एक आदमी कहीं से गुजर रहा था, तभी उसने सड़क के किनारे बंधे हाथियों को देखा और अचानक रुक गया। उसने देखा कि हाथियों के अगले पैर में एक रस्सी बंधी हुई है, उसे इस बात का बड़ा अचरज हुआ कि हाथी जैसे विशालकाय जीव लोहे की जंजीरों की जगह बस एक छोटी-सी रस्सी से बंधे हुए हैं! ये स्पष्ठ था कि हाथी जब चाहते तब अपने बंधन तोड़ कर कहीं भी जा सकते थे, पर किसी वजह से वो ऐसा नहीं कर रहे थे।

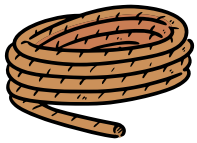

उसने पास खड़े महावत से पूछा कि भला ये हाथी किस प्रकार इतनी शाति से खड़े हैं और भागने का प्रयास नहीं कर रहे हैं?

तब महावत ने कहा, “इन हाथियों को छोटे पन से ही इन रस्सियों से बाँधा जाता है, उस समय इनके पास इतनी शक्ति नहीं होती कि इस बंधन को तोड़ सकें। बार-बार प्रयास करने पर भी रस्सी ना तोड़ पाने के कारण उन्हें धीरे-धीरे यकीन होता जाता है कि वो इन रस्सियों को नहीं तोड़ सकते और बड़े होने पर भी उनका ये यकीन बना रहता है, इसलिए वो कभी इसे तोड़ने का प्रयास ही नहीं करते।”

आदमी आश्चर्य में पड़ गया कि ये ताकतवर जानवर सिर्फ इसलिए अपना बंधन नहीं तोड़ सकते क्योंकि वो इस बात में यकीन करते हैं!

इन हाथियों की तरह ही हममें से कितने लोग सिर्फ पहले मिली असफलता के कारण ये मान बैठते हैं कि अब हमसे ये काम हो ही नहीं सकता और अपनी ही बनायीं हुई मानसिक जंजीरों में जकड़े-जकड़े पूरा जीवन गुजार देते है।

पद्य पंकज

मुझे तोड़ लेना बनमाली
उस पथ पर देना तुम फेंक
मातृ-भूमि पर शीश चढ़ाने
जिस पथ पर जावें वीर अनेक

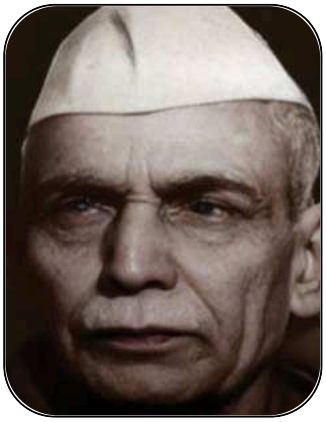

माखनलाल चतुर्वेदी

जन्म : 04 अप्रैल 1889

मृत्यु : 30 जनवरी 1968

ToB बालमन पत्रिका बहुत ही आकर्षक और ज्ञानवर्धक पत्रिका है। मुझे यह पत्रिका बहुत अच्छी लगती है। मेरे स्कूल की मैम जब मुझे बालमन पत्रिका में मेरा फोटो छपा हुआ दिखाती है तो मुझे बहुत खुशी होती है और मैं हमेशा बालमन पत्रिका में अपनी तस्वीर देखना चाहूँगी। इसके लिए मैं अब से ज्यादा मेहनत करूंगी । थैंक यू बालमन

अरिबानूर(छात्रा)
वर्ग 8
रा०म०वि० नेउरी
बरौली (गोपालगंज)

बालमन

मन की बात

पुनीता कुमारी
(शिक्षिका)
रा०म०वि० नेउरी
बरौली (गोपालगंज)

देश की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफ बिहार की प्रस्तुति "बालमन पत्रिका" बहुत ही रोचक व ज्ञानवर्धक है। शुरुआत में इस पत्रिका के बारे में मुझे पूरी जानकारी नहीं थी। जब मैने एक दिन इस पत्रिका को डाउनलोड किया तो देखा कि मेरे विद्यालय के बच्चों की पेंटिंग वाली तस्वीर छपी हुई है तो मैं काफी खुश हुई और बालमन के प्रधान संपादक धीरज सर से इसके बारे में बात की तो उन्होंने इस पत्रिका के बारे में पूरी जानकारी दी।मैने बच्चों को जब पत्रिका दिखाई तो बच्चे काफी खुश हुए। तब से मैं इस पत्रिका से जुड़ कर बालमन पत्रिका के लिए प्रतिमाह पर्यावरण अध्ययन, हिन्दी, संस्कृत पोस्टर तथा विद्यालय की गतिविधियों के लिए बहुत मेहनत करती हूं । बच्चों के लिए समर्पित भाव से प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए ToB बालमन का बहुत बहुत धन्यवाद।

बालमन

अन्तर खोजें

30 सेकंड में 5 अन्तर खोजें

सही उत्तर:

1.कबूतर के चोंच में घास अधिक है।
2.नामांकन के बगल में पेंसिल है।
3.लड़की केs हाथ 2 अंक के पास है।
4. स्कूल का इमेज बदल गया हैं।
5.बादल,कबूतर के पास आ गया है।
6.चलो स्कूल चले स्लोगन बदल गया है।
7.प्रारंभ के बगल में कैप और बुक बदला हुआ है।

चलो घूमते हैं ...

अमरेंद्र कुमार

द्वारिकाधीश मंदिर

भारत के गुजरात प्रांत मे स्थित यह द्वारिकाधीश मंदिर है। पैराणिक कथाओं के अनुसार यह भगवान श्री कृष्ण की राजधानी है। माना जाता है कि करीब *2,500* हजार साल पहले इस मंदिर का निर्माण हुआ था। यह मंदिर *5* मंजिल का है जो *72* खंभों पर टिके हुए हैं। मंदिर में दो द्वार हैं उत्तरी द्वार को मोक्ष द्वार और दक्षिण द्वार को स्वर्ग द्वार कहा जाता है।

हम्पी

हम्पी मध्यकालीन हिंदू राज्य विजयनगर साम्राज्य की राजधानी थी। तुंगभद्रा नदी के तट पर स्थित यह नगर अब हम्पी (पम्पा से निकला हुआ) नाम से जाना जाता है और अब केवल खंडहरों के रूप में ही अवशेष है। इन्हें देखने से प्रतीत होता है कि किसी समय में यहाँ एक समृद्धशाली सभ्यता निवास करती होगी। भारत के कर्नाटक राज्य में स्थित यह नगर यूनेस्को के विश्व के विरासत स्थलों में शामिल किया गया है। हर साल यहाँ हज़ारों की संख्या में पर्यटक और तीर्थयात्री आते हैं। हम्पी का विशाल फैलाव गोल चट्टानों के टीलों में विस्तृत है। घाटियों और टीलों के बीच पाँच सौ से भी अधिक स्मारक चिह्न हैं। इनमें मंदिर, महल, तहख़ाने, जल-खंडहर, पुराने बाज़ार, शाही मंडप, गढ़, चबूतरे, राजकोष.... आदि असंख्य इमारतें हैं।

बालमन

रोचक तथ्य

राकेश कुमार

पॉप स्टार केटी पेरी समेत अन्य 6 महिलाओं ने 14 मिनट के अंदर अंतरिक्ष की यात्रा कर वापस लौटकर इतिहास रच दिया है। इस मिशन को ब्लू होराइजन की मदद से पूरा किया गया है।

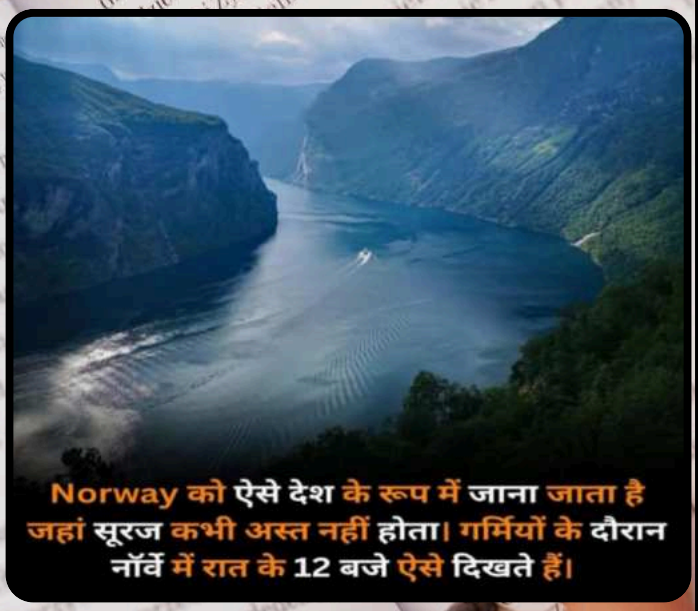

Norway को ऐसे देश के रूप में जाना जाता है जहां सूरज कभी अस्त नहीं होता। गर्मियों के दौरान नॉर्वे में रात के 12 बजे ऐसे दिखते हैं।

सऊदी अरब भारतीय बासमती चावल का सबसे बड़ा खरीदार है, जो हर साल भारत से करीब 7 लाख टन बासमती चावल मंगवाता है। दुनिया भर में भारतीय चावल की खुशबू और स्वाद को कोई टक्कर नहीं दे सकता !

अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण नहीं होने की वजह से सोना मुश्किल होता है, क्योंकि वहां लोग तैरते रहते है। इसलिए अंतरिक्ष यात्री सोते समय दीवार से बंधे खास स्लीपिंग बैग में सोते है। ताकि वे इधर उधर न हो।

ToB बालमन

डॉट्स मिलाओ चित्र बनाओ

आप कौन सा चित्र पाते है?

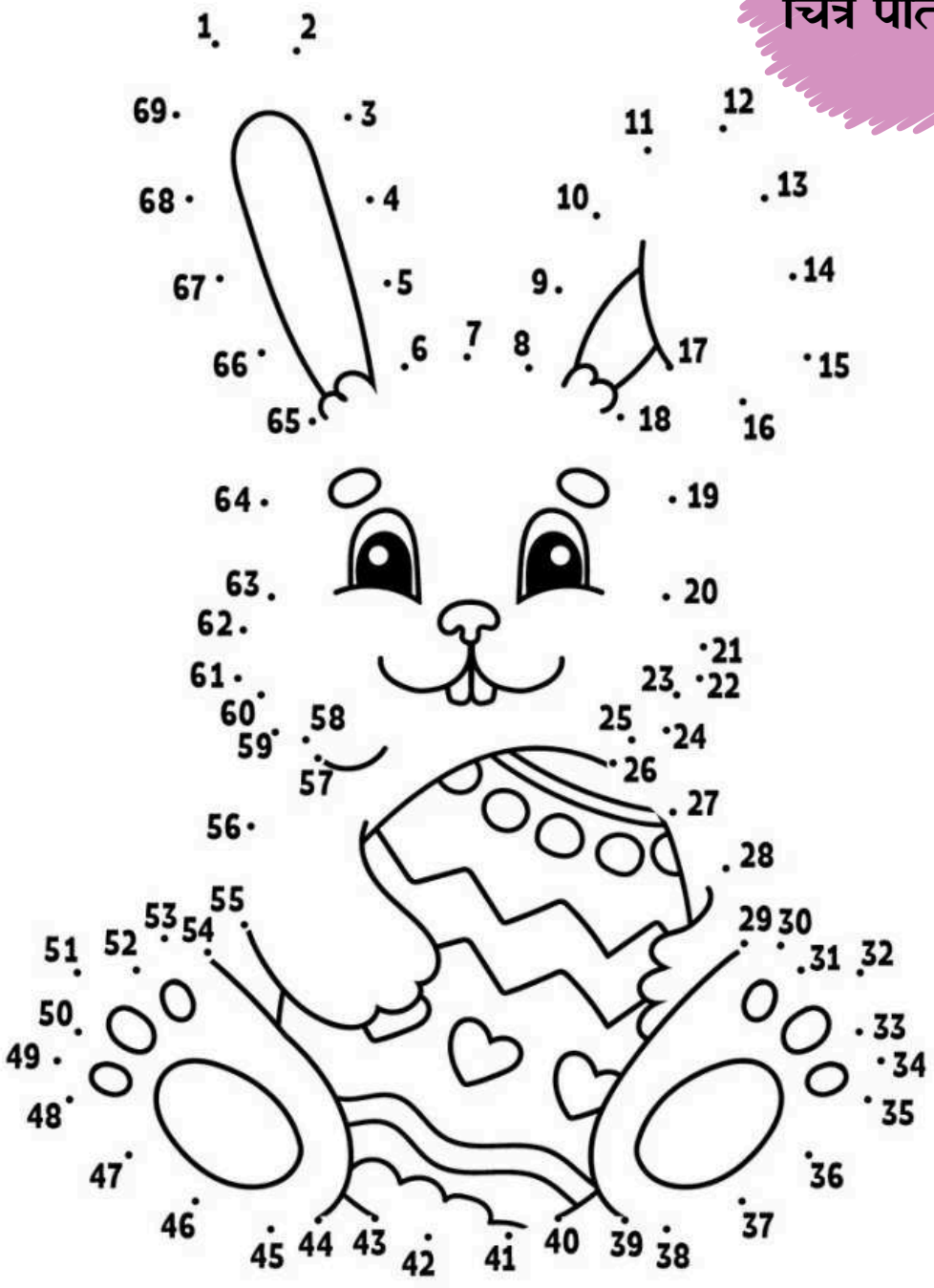

नन्हें कलाकार

भाग 1

टूटे चूड़ी से बनी चिड़िया
UMS सिलौटा, भभुआ , कैमूर

राजकीय कन्या मध्य विद्यालय
कुचायकोट (गोपालगंज)

जिल्हा परिषद मॉडेल स्कूल
टिटोली,ता. इगतपुरी, जि. नासिक,
महाराष्ट्र

UMS सिलौटा, भभुआ , कैमूर

UMS अर्रा, मोहनियां (कैमूर)

उत्क्रमित मध्य विद्यालय छोटका कटरा
मोहनियां (कैमूर)

उत्क्रमित उच्च माध्यमिक +2 विद्यालय बैजनाथ
रामगढ,कैमूर

बालमन पत्रिका गुजरात टीम
सौजन्य से : निकिता चौधरी

Health is wealth

बालमन

स्वास्थ्य सुझाव

स्वस्थ जीवनशैली से पाए स्वस्थ जीवन

गर्मी में पानी से भरपूर वाले खाद्य पदार्थ तरबूज, खीरा, संतरे और स्ट्रॉबेरी जैसे फल और सब्जियां खाएं। आम के पन्ने का उपयोग करे।

नन्हें कलाकार

भाग 2

प्राथमिक विद्यालय लक्ष्मीपुर, मोहनिया
कैमूर(बिहार)

सौजन्य से :निकिता चौधरी
बालमन गुजरात टीम

वंदना कुमारी,वर्ग 5
प्रा० वि० हरिजन टोला,कलालीगंज
भागलपुर(बिहार)

मध्य विद्यालय मलहरिया, समेली,
कटिहार(बिहार)

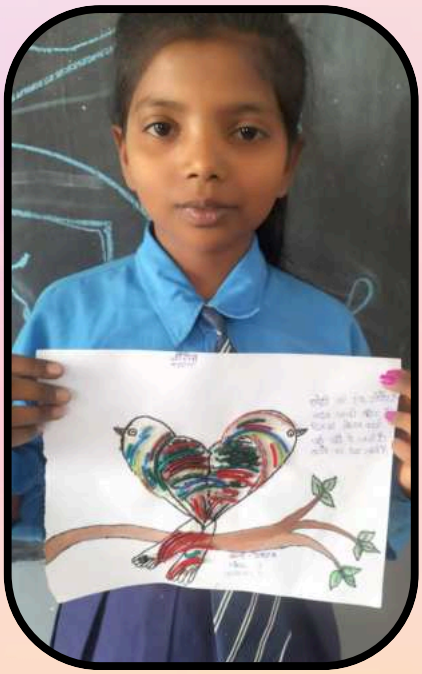

प्रा0 वि0 प्रखंड कॉलोनी
फुलवारी शरीफ
(पटना)

उत्क्रमित मध्य विद्यालय छोटका कटरा
मोहनियां (कैमूर)

उ० माध्यमिक स्कूल मलहरिया, समेली, कटिहार

साइबर दूत

अपने बैंक खाते को साइबर धोखाधड़ी से सबसे अच्छी तरह से सुरक्षित रखने के लिए निम्न बातों का ध्यान रखें ।

- हर खाते के लिए मजबूत, यूनिक पासवर्ड को प्राथमिकता दें।
- दो कारक प्रमाणीकरण (2FA) सक्षम करें।
- नियमित रूप से सॉफ्टवेयर को अपडेट करें।
- संदिग्ध ईमेल और लिंक से सावधान रहें।

राजेश कुमार सिंह

बालमन

नन्हें कलाकार भाग 3

अर्चना कुमारी, वर्ग 8
UMS सिलौटा, कैमूर , बिहार

सन्तिमा कुमारी वर्ग 8
UMS भोखरी , मोहनियां
बिहार

प्राथमिक विद्यालय प्रखण्ड
मुख्यालय कस्बा, पूर्णिया
(बिहार)

प्राथमिक शाला हरदी
बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

प्राथमिक शाला हरदी, बिलासपुर
(छत्तीसगढ़)
सौजन्य से: दीपिका श्रीवास्तव
बालमन टीम छत्तीसगढ़

आपकी कविता

मेरा बालमन

कितने सवाल है मेरे इस मन में।
आओ आकर देख मेरे बालमन में।
सरल, विमल, हैं मेरा मन
लाखों सवालों का जवाब है मेरा बालमन।
अंम्बर, धरती,या है पर्वत
कहां न जाए मेरा बालमन।
वन,उपवन,तपोवन, डगर - डगर
घूमता फिरता है मेरा बालमन।
हर एक जिज्ञासा मन में लिए
जान रहा है ज्ञान - विज्ञान।
मैं हूं चंचल, में हूं श्यामल,
मैं हूं कमल, और मैं हूं विमल।
मन की इस हलचल में
ज्ञान की लालसा करे झलमल।
बरसा, बादल, बरखा, पानी
हवा क्यों लगती है सुहानी।
दिन रात का क्या है खेल,
क्यों नहीं मिलता
सबके चेहरे में मेल।
कितने सवाल है मेरे मन में
सब जवाब मिलेआकर देखे,,,,,
मेरे बालमन में।

प्रदीप कुमार भट्टाचार्य(शिक्षक)
प्राथमिक विद्यालय बैरगाछी
कुमारीपुर, मनिहारी (कटिहार)
बिहार

रास्ता खोजें

गोलू को समय से स्कूल पहुंचने के लिए रास्ता बताने में मदद कर सकते हैं।

Start

बालमन

नन्हें कलाकार

भाग 4

सृष्टि कुमारी
राजकीय मध्य विद्यालय नेऊरी, बरौली
(गोपालगंज)

प्राथमिक विद्यालय जगरिया
चैनपुर(कैमूर)
बिहार

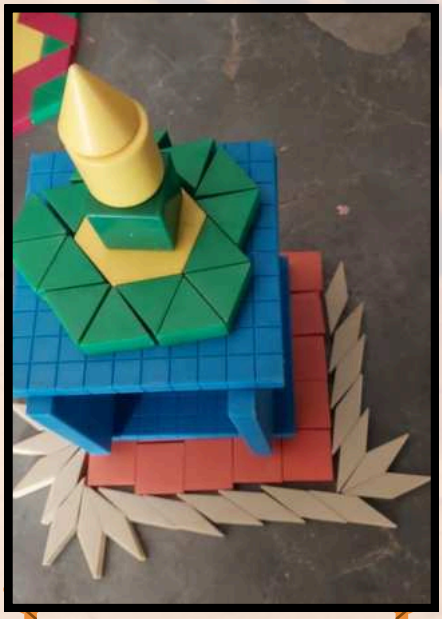

उर्दू प्राथमिक विद्यालय
अखलासपुर,भभुआ, कैमूर

नीतू कुमारी,वर्ग 6 एवं ज्योति कुमारी,वर्ग 7
UMS खजरा, मोहनियां, कैमूर

English Corner

ADVERB

An adverb is a word/a set of words that modifies verbs, adjectives, and other adverbs.

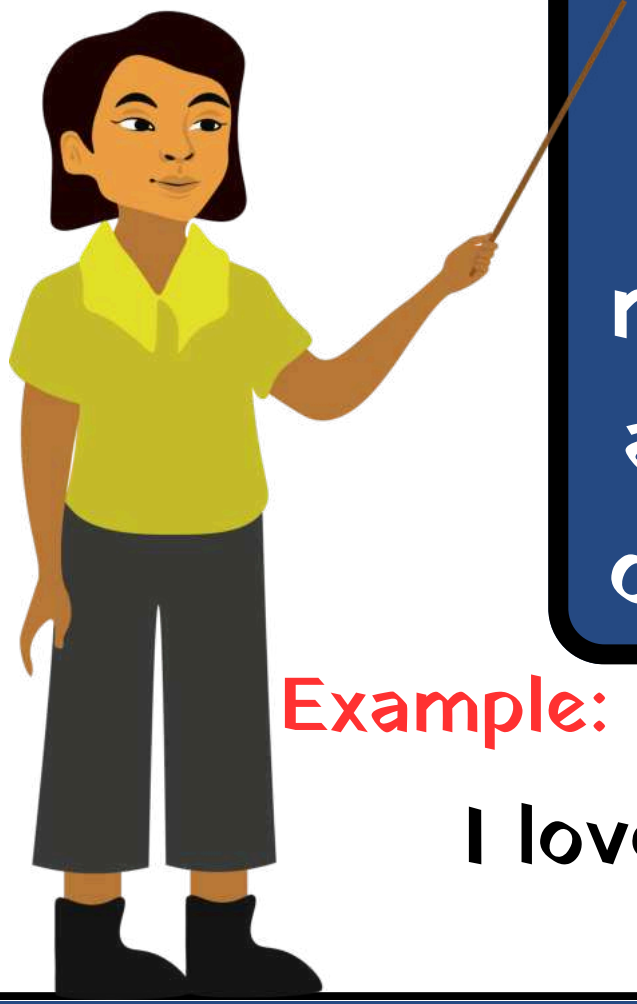

Example: He speaks loudly.

I love her very much.

DHIRAJ KUMAR

बालमन पेंटिंग
भाग 1

GMPS देवाल ,चमोली
(उत्तराखंड)

मध्य विद्यालय सुरीगाँव, बायसी(पूर्णिया)

राकेश कुमार ,वर्ग-5
प्राथमिक विद्यालय हरिजन टोला, कलगीगंज,कहलगाँव, (भागलपुर)

उर्दू प्राथमिक विद्यालय करवदिया चांद(कैमूर)

Ansh kumar, class-6
U.M.S DUDAHAN

परिधि कुमारी, वर्ग 7
UMS सिलौटा, भभुआ , कैमूर

प्राथमिक विद्यालय लक्ष्मीपुर, रोसड़ा, पूर्णिया

उ० माध्यमिक स्कूल मलहरिया, समेली, कटिहार

प्रा ०वि ० प्रखंड कॉलोनी फूलवारीशरीफ पटना

शासकीय प्राथमिक शाला हरदी ,बिलासपुर छत्तीसगढ़

वर्ग 2 का विद्यार्थी
मध्य विद्यालय भैकास, भभुआ (कैमूर)

बालमन पेंटिंग भाग 2

प्राथमिक विद्यालय महेशपट्टी
नरपतगंज अररिया

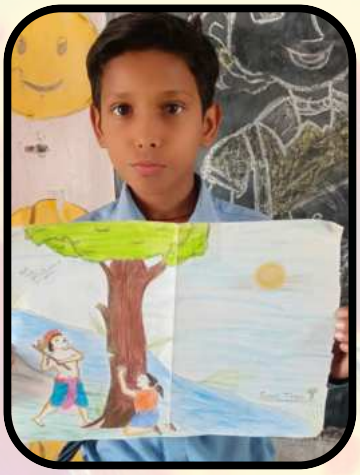

आनन्द श्रीवास्तव,वर्ग 8
UMS सिलौटा, कैमूर ,बिहार

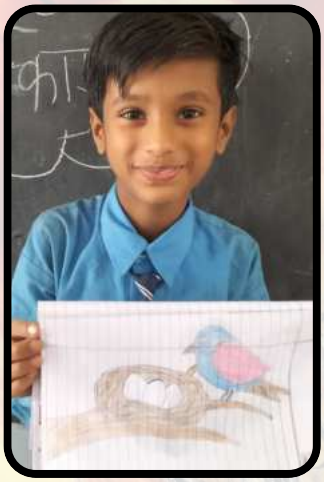

प्रा ०वि ० प्रखंड कॉलोनी
फूलवारीशरीफ, पटना

प्राथमिक विद्यालय बैरगाछी
कुमारीपुर,मनिहारी(कटिहार)
बिहार

प्राथमिक विद्यालय लक्ष्मीपुर अंचल
मोहनिया (कैमूर)

Aditya Kumar
P.S.Harijan Tola, Kalgiganj,
Kahalgaon
Bhagalpur

हिंदी TLM

ToB बालमन

विलोम शब्द

तेज

धीरे

सफेद

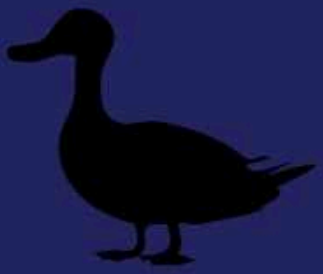

काला

खट्टा

मीठा

दिन

रात

कम

ज्यादा

www.teachersofbihar.org

पुनीता कुमारी

वैज्ञानिक कारण

SCIENCE

कार इंजन ठंढा रखने के लिए रेडियेटर में जल का प्रयोग किया जाता है क्यों?

जल की ऊष्माधारिता अधिक होती है। अतः गर्म जल बहुत जल्दी समय तक गर्म रहता है। यही कारण है कि रबड़ के थैले में गर्म जल भरकर शरीर के रोगग्रस्त भागों में इससे गर्म किया जाता है।

www.teachersofbihar.org

Madhu priya

बालमन पेंटिंग

भाग 3

परिधि कुमारी,वर्ग 7
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा,
भभुआ, कैमूर

अर्जुन कुमार,वर्ग 5
प्राथमिक विद्यालय हरिजन टोला
कलालीगंज, कहलगांव
भागलपुर

प्रा ०वि ० प्रखंड कॉलोनी फूलवारीशरीफ
पटना

न्यू प्राथमिक विद्यालय कझार घाट, कुदरा
कैमूर

बालमन पेंटिंग

भाग 4

शासकीय प्राथमिक शाला हरदी,बिलासपुर (छत्तीसगढ़)
सौजन्य से: दीपिका श्रीवास्तव (बालमन टीम)

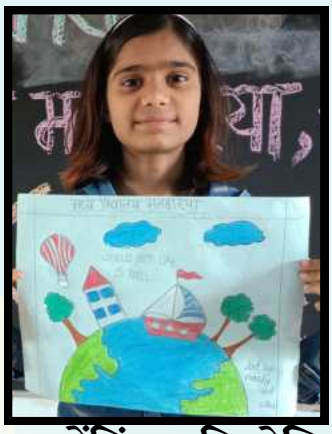

विश्व कला दिवस पर पेंटिंग प्रतियोगिता। मध्य विद्यालय मलहरिया, समेली, कटिहार(बिहार)

UMS छोटका कटरा, मोहनिया कैमूर

मध्य विद्यालय बखरी खरकट्टा(कटिहार)

Satyam kr ,class 6
Ums jhitkahiyan rampur
Vaishali

हँसी के हसगुल्ले

टीचर- विदेश में 15 साल के बच्चे अपने पैरों पर खड़े हो जाते हैं.
चिंटू- मास्टर जी, हमारे देश में तो एक साल का बच्चा भागने भी लगता है.

सोनू : मैंने साबुन से अपना शर्ट धोया और अब मुझे वह छोटा हो गया है।
मोनू : तुम भी उसी साबुन से नहा लो, फिर वह शर्ट तुम्हें फिट हो जाएगा।

शादी के बाद पहली बार बहू रेसिपी बुक देखकर खाना बना रही थी...
सास (फ्रिज खोलती है): अरे बहू ये मन्दिर का घंटा फ्रिज में क्यों रखा है ?
बहू- मम्मी जी बुक में लिखा है कि सब चीजों को मिलाकर एक घंटा फ्रिज में रखें।

संस्कृत ज्ञान

विद्यालय संबंधी वस्तुओं के नाम

पेंसिल	तूलिका
कलम	लेखनी
कॉपी	संचिका
डस्टर	मार्जक:
श्यामपट्ट	श्यामपट्ट:
मेज	फलकम्
रबड 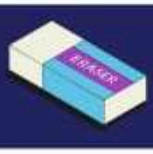	घर्षक:

Punita Kumari

बालमन

पेन और पेंसिल आर्ट

UMS सिलौटा, कैमूर बिहार

Archana Kumari
Class -5
U.M.S.DUDAHAN(SIWAN)

UMS गौरा, भगवानपुर
कैमूर

Ums jhitkahiyan rampur
Block n dist vaishali

बालमन कहानी

यह विद्या का मन्दिर है

मुझे अच्छी तरह याद है।अप्रैल का ही महीना था। मेरे विद्यालय में नामांकन का कार्य जोर- शोर से चल रहा था। अनेक माता- पिता एवं अभिभावक अपने बच्चों के साथ आ रहे थे। ताकि वे अपने बच्चों का दाखिला करा सकें। तभी एक फटे- पुराने कपड़े पहने एक लड़के ने स्कूल में प्रवेश किया और कहीं खाली स्थान देखकर बैठ गया। उसके मन में उथल पुथल चल रही थी कि वह प्रधानाध्यापक कक्ष में जाए या नहीं, कोई उसे डांट न दे, भगा न दे। लेकिन फिर उसने अपने अंदर का साहस बटोरा और प्रिंसिपल रूम में घुस गया और प्रणाम करके बोला क्या मैं भी इस पाठशाला में अपना नाम लिखवा सकता हूं ? मैं प्रधानाध्यापक के साथ ही बैठा था। उसके इस प्रश्न पर हमारा चौंकना स्वाभाविक था। वह लड़का बोलता जा रहा था... श्रीमान मेरे पास न अच्छे कपड़े हैं। न अच्छा घर है और न ही अच्छी सूरत है। क्या आप मेरा नाम लिखेंगे। उसकी बातें सुनकर प्रधानाध्यापक महोदय के आंखों में आंसू आ गए। उन्होंने अपनी कुर्सी से उठकर उसे गले लगा लिया। उन्होंने उसी समय उसका नामांकन कराया और उसी विद्यालय की यूनिफार्म और किताबें दीं और कहा कि बच्चे, यह विद्या का मंदिर है। यह स्थान सभी बच्चों के लिए खुला है। चाहे वह किसी भी जाति या वर्ग का हो। नामांकन के पश्चात उस लड़के की आंखों में प्रसन्नता की चमक थी। क्योंकि उसे उजाले का रास्ता मिल गया था।

- शरद कुमार वर्मा (शिक्षक)
रेलवे हायर सेकंडरी स्कूल चारबाग
लखनऊ(उत्तर प्रदेश)

बालमन

रोचक गणित

गणित का इतिहास

गणित एक ऐतिहासिक विषय है। सदियों से दुनिया भर के विभिन्न गणितज्ञों द्वारा विभिन्न सभ्यताओं में इसका अन्वेषण किया जाता रहा है। ईसा पूर्व शताब्दी से आर्किमिडीज को गणित का जनक माना जाता है। उन्होंने ठोस पदार्थों के सतही क्षेत्रफल और आयतन की गणना करने के लिए सूत्र प्रस्तुत किए। जबकि, 476 ई. में जन्मे आर्यभट्ट को भारतीय गणित का जनक माना जाता है। छठी शताब्दी ईसा पूर्व में, गणित का अध्ययन पाइथोगोरियन द्वारा एक "प्रदर्शनकारी अनुशासन" के रूप में शुरू हुआ। गणित शब्द की उत्पत्ति ग्रीक शब्द "मैथेमा" से हुई है, जिसका अर्थ है "शिक्षा का विषय"।

यूक्लिड नामक एक अन्य गणितज्ञ ने स्वयसिद्ध, अभिधारणाएं, प्रमेय और प्रमाण प्रस्तुत किए, जिनका प्रयोग आज के गणित में भी किया जाता है।

गणित का इतिहास एक प्राचीन अध्ययन रहा है और दुनिया के हर हिस्से में इसे अलग-अलग तरीकों से वर्णित किया जाता है। कई गणितज्ञ हुए जिन्होंने कई अवधारणाओं के लिए अलग-अलग सिद्धांत दिए हैं, जिन्हें हम आधुनिक गणित में लागू कर रहे हैं। मध्यकाल में हम जिन संख्याओं का इस्तेमाल गणना के लिए करते हैं, उनमें कई तरह के बदलाव हुए। रोमनों ने रोमन अंकों की शुरुआत की, जो किसी संख्या को दर्शाने के लिए अंग्रेजी वर्णमाला का इस्तेमाल करते हैं।

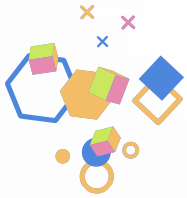

कुमार राकेश मणि (प्रधानाध्यापक)
UHS कोटा, नुआंव(कैमूर) बिहार

unicef

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम
(सुरक्षित शनिवार)

राकेश कुमार

stay safe

माह: अप्रैल — चाइल्ड हेल्पलाइन 1098

प्रथम शनिवार दिनांक 05.04.2025	फोकल शिक्षक एवं बाल प्रेरकों का चयन
द्वितीय शनिवार दिनांक 12.04.2025	विद्यालय आपदा प्रबंधन समिति का गठन / पुनर्गठन
तृतीय शनिवार दिनांक 19.04.2025	लू से बचाव की जानकारी
चतुर्थ शनिवार दिनांक 26.04.2025	अगलगी से खतरे एवं बचाव के बारे में जानकारी

मध्य विद्यालय अरिहाना,आजमनगर(कटिहार)

UMS सिलौटा, भभुआ कैमूर

सोनी खातून,वर्ग ४
राजकीय कन्या मध्य विद्यालय
कुचायकोट, गोपालगंज

प्राथमिक विद्यालय लक्ष्मीपुर (कैमूर)

पर्दा कन्या मध्य विद्यालय आरा, भोजपुर

मध्य विद्यालय बखरी, खरकट्टा (कटिहार)

माह: May 2025

प्रथम शनिवार दिनांक 03.05.2025	अगलगी से खतरे एवं बचाव के सन्दर्भ में जानकारी।
द्वितीय शनिवार दिनांक 10.05.2025	लू से बचाव की जानकारी।
तृतीय शनिवार दिनांक 17.05.2025	चक्रवाती तूफान / आँधी से खतरे एवं बचाव
चतुर्थ शनिवार दिनांक 24.05.2025	लू से बचाव की जानकारी।

किसी माह पांचवे शनिवार पड़ने की स्थिति में बच्चों को स्वच्छता संबधित जानकारी देंगे एवं उसका अभ्यास करायेंगे

सैर सपाटा

मैं घूमने गई यू. पी. दर्शन पार्क

रविवार का दिन था। मैंने अपने पापा से कहा कि हमें कोई नई जगह घुमाने ले चलिए। तब पापा ने मुझसे कहा कि बिटिया आज मैं तुम्हें अपने लखनऊ में ताजमहल दिखाने ले चलूंगा। उनकी बात सुनकर मैने आश्चर्य से कहा, लेकिन ताजमहल तो आगरा में हैं। तब उन्होंने कहा कि नहीं , आज मैं अपने शहर में ही ताजमहल दिखाऊंगा। मैंने सोचा मेरे पापा मुझसे यह सब मजाक में कह रहे हैं।

उस दिन तैयार होकर पापा मुझे यू पी दर्शन पार्क ले गए। मैं वहां जाकर आश्चर्य चकित रह गई। वहां पूरे उत्तर प्रदेश की प्रसिद्ध इमारतें बनी थीं। जिन्हें हम अपनी स्कूल की किताबों में पढ़ते रहते हैं। वे सारी सामने खड़ी हो नजर आ रहीं थीं। वहां आगरा का ताजमहल ही नहीं, महारानी रानी लक्ष्मी बाई का झांसी वाला किला, अयोध्या का श्री राम मन्दिर, विंध्याचल का विंध्यवासिनी देवी मन्दिर, मथुरा का बाँके बिहारी मन्दिर, गोरखपुर का बाबा गोरखनाथ मन्दिर, वाराणसी का काशी विश्वनाथ मन्दिर, फतेहपुर सीकरी का किला आदि बहुत कुछ था। वास्तव में उस पार्क में पूरे यू पी के दर्शन हो रहे थे। लौटकर मैं घर वापस आई लेकिन मेरा मन उस पार्क ही कहीं खो गया था।

- काव्या नंदन, कक्षा 9 , रेलवे हायर सेकेंड्री स्कूल, चारबाग, लखनऊ(उत्तर प्रदेश)

ToB बालमन

नैतिक शिक्षा

जीवन में अनुशासन कैसे लाएं : -

टाइम मैनेजमेंट सीखें। अपने लिए एक टाइम-टेबल सेट करें।

रोज सुबह उठकर उस दिन के लिए जरूरी कामों की 'टू डू' लिस्ट बनाएं।

रोज एक ही वक्त पर सोएं और सुबह जल्दी उठें।

अनावश्यक कामों से बचें। अपना पूरा ध्यान सिर्फ महत्वपूर्ण कामों पर केंद्रित करें

अपने कामों का आत्म -मूल्यांकन करें और सुधार के लिए जरूरी कदम उठाएं।

www.teachersofbihar.org

Punita Kumari

एक नजर इधर भी....

नवाचारी शिक्षिका : सुमन रानी

विद्यालय: GMPS देवाल, चमोली (उत्तराखंड)

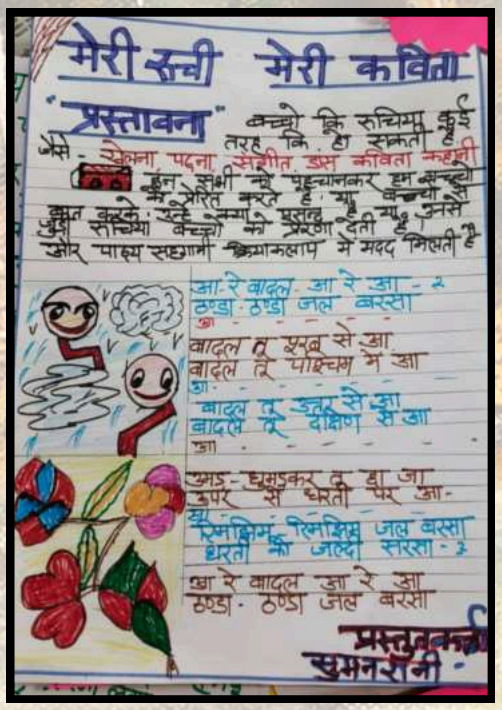

सौजन्य से :बालमन टीम (उत्तराखंड)

ToB बालमन

पेड़-पौधों से होने वाले लाभ

पुनीता कुमारी
राजकीय मध्य विद्यालय नेउरी
बरौली (गोपालगंज)

www.teachersofbihar.org

ToB बालमन कविता

गर्मी आ रही

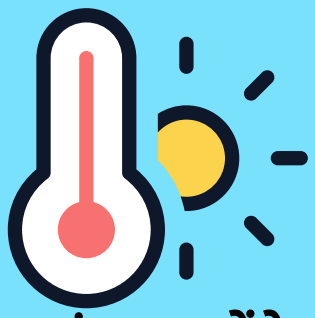

भाग गई है ठंडी,
देखो भाई गर्मी आ रही।
सुबह-सवेरे ही ,
चिड़िया गीत गा रही।।

अब पंखा झलेंगे,
कुलर, एसी चलायेंगे।
मम्मी, पापा संग मिलकर
स्वीमिंग पूल में नहायेंगे।।

वंदे भारत ट्रेन से,
नानी घर जायेंगे।
छुट्टी में हम सब मिलकर,
खुब मौज मनायेंगे।।

सत्तू, लस्सी,के संग
मनभर पानी पियेंगे।
कुल्फी ,आइसक्रीम ,
तरबूज का स्वाद चखेंगे।।

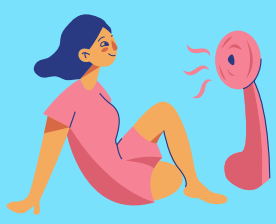

ना धुप में बाहर निकलेंगे ,
बल्कि छांव में ही रहेंगे।
अपनी सावधानी से ,
गर्मी में लू से बचेंगे।।

भाग गई है ठंडी,
देखो भाई गर्मी आ रही।
सुबह-सवेरे ही,
चिड़िया गीत गा रही।।

रणजीत कुमार
प्राथमिक कन्या विद्यालय
लक्ष्मीपुर रोसड़ा
(समस्तीपुर)

प्रवेशोत्सव

Welcome!

न्यू प्राथमिक विद्यालय कठेल, पूर्वी टोला अमरपुर (बांका)

मध्य विद्यालय बिठला, परबत्ता (खगड़िया)

प्रा ०वि ० चूआइ, डुमरांव (बक्सर)

उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय छोटका कटरा, मोहनियां (कैमूर)

राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय सेनुअरिया (पश्चिमी चंपारण)

उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय अरिहाना आजमनगर(कटिहार)

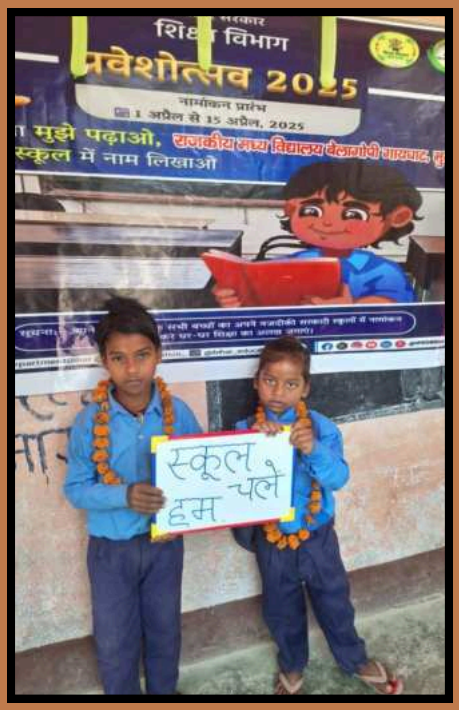

मध्य विद्यालय बेला गोपी, गायघाट (मुजफ्फरपुर)

प्राथमिक विद्यालय ब्लॉक हेडक्वाटर कस्बा(पूर्णिया)

प्राथमिक विद्यालय छुरछुरिया(अररिया)

बालमन

सामान्य ज्ञान

1. भारत में सबसे ज्यादा दलहन उत्पादन करने वाला राज्य कौन है?
2. भारत में सबसे ज्यादा कपास का उत्पादन किस राज्य में होता है?
3. भारत में सबसे ज्यादा मूंगफली का उत्पादन किस राज्य में होता है?
4. भारत में सबसे ज्यादा दूध उत्पादन किस राज्य में होता है?
5. भारत में सबसे ज्यादा मखाना का उत्पादन किस राज्य में होता है?
6. भारत में सबसे ज्यादा गन्ना का उत्पादन किस राज्य में होता है?
7. भारत में सबसे ज्यादा सोयाबीन का उत्पादन किस राज्य में होता है?
8. भारत में सबसे ज्यादा आलू का उत्पादन किस राज्य में होता है?
9. भारत में सबसे ज्यादा चाय का उत्पादन किस राज्य में होता है?
10. भारत में सबसे ज्यादा सब्ज़ी का उत्पादन किस राज्य में होता है?

राजेश कुमार सिंह, कैमूर

उत्तर:-

1. झारखंड 2. पंजाब 3. पंजाब 4. उत्तर प्रदेश 5. बिहार
6. उत्तर प्रदेश 7. झारखंड 8. उत्तर प्रदेश 9. असम 10. उत्तर प्रदेश

Birthday special Art

बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर

Aditya Kumar
U.M.S.DUDAHAN(SIWAN)

प्राथमिक विद्यालय लक्ष्मीपुर
मोहनियां, कैमूर

प्रा ०वि ० जगरिया, चैनपुर
कैमूर

प्राथमिक विद्यालय लक्ष्मीपुर
मोहनियां, कैमूर

प्रा ०वि ० प्रखंड कॉलोनी
फूलवारीशरीफ (पटना)

मध्य विद्यालय सुरीगाँव , बायसी
पूर्णिया

स्रोत:
प्रभासाक्षी

TOB
खेल कॉर्नर

वालीबॉल

वॉलीबॉल

वॉलीबॉल एक पसंदीदा खेल है जिसमें दो टीमों के बीच खेला जाता है। प्रत्येक टीम के पांच खिलाड़ी होते हैं और वे एक बेल या नेट से अलग दोनों पक्षों के बीच एक गोली या बॉल को हिलाने के लिए प्रयास करते हैं। ध्वनि मुख्य रूप से "बॉल" और "बल्लेबाज़" के बीच खेले जाते हैं।

गेंद
व्यास: 21 सेमी
वज़न: 280 ग्राम

ओलंपिक में शुरूआत

वॉलीबॉल ने टोक्यो 1964 खेलों में ओलंपिक में अपना डेब्यू किया था।

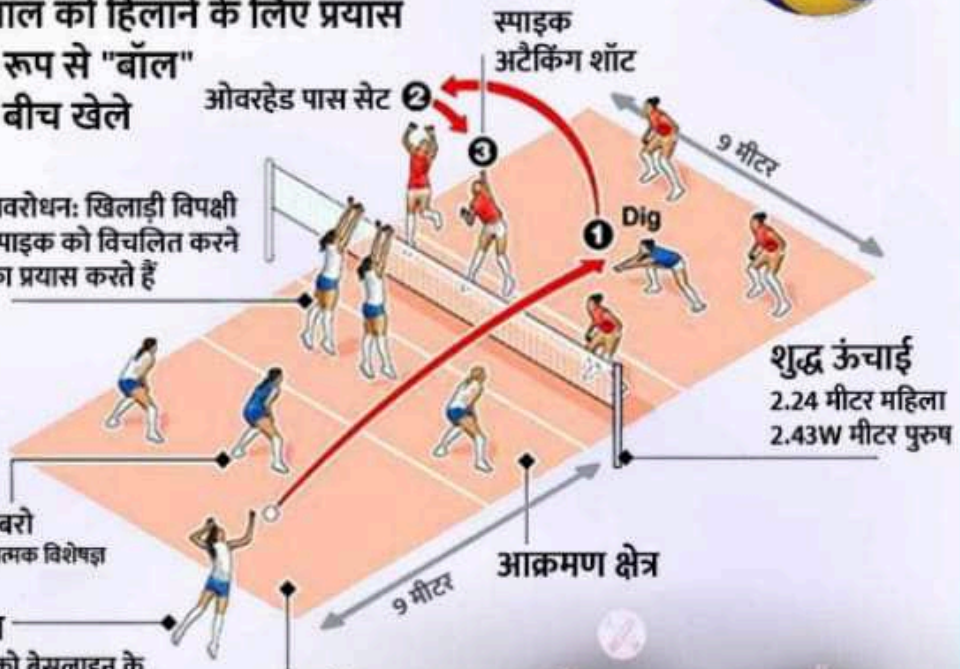

क्या हैं नियम?

- वॉलीबॉल खेल 6 खिलाड़ियों की दो टीमों द्वारा 18 मीटर लंबे और 9 मीटर चौड़े इनडोर कोर्ट पर खेला जाता है।
- टीम को एक अंक तब प्राप्त होता है जब गेंद विरोधी टीम के कोर्ट की सीमा के भीतर गिरती है।
- दो अंकों के अंतर से 25 अंक हासिल करने वाली पहली टीम सेट जीतती है, प्रत्येक मैच में बेस्ट ऑफ फाइव सेटों के फॉर्मेट को फॉलो किया जाता है।

www.teachersofbihar.org

राकेश कुमार

बालमन

दर्शनीय स्थल

ककोलत जलप्रपात

कुमार राकेश मणि

बिहार में हिमाचल का मजा लेना है तो नवादा का ककोलत झील और झरना एक अद्भुत जगह है। करीब 160 फीट की ऊंचाई से इस झरने का गिरता पानी काफी मनमोहक होता है। हर साल, खासकर गर्मियों के मौसम में, यहां बहुत सारे पर्यटक आते हैं, क्योंकि इस झरने का पानी हमेशा ठंडा रहता है। ककोलत पहाड़ी पर स्थित इस झील के आसपास काफी खूबसूरत नजारे हैं। इस झील का पानी झुलसा देने वाली गर्मियों के मौसम में भी ठंडा रहता है और यहां कि खास बात ये है कि ककोलत झील चारों तरफ से जंगल से घिरा हुआ है। पहाड़ी,जंगल, झरना और झील से घिरा हुआ यह जलप्रपात सुंदरता और प्राकृतिक सौंदर्य के लिहाज से देश के किसी भी जलप्रपात से कम नहीं है। यहां आये हुए सैलानियों को यहां का मनोरम दृश्य मंत्रमुग्ध कर देता है।पहाड़ी जड़ी-बूटी के चलते यहां के पानी में भोजन जल्दी पकता है और स्वाद भी गजब का होता है।

पौराणिक मान्यता है कि ककोलत जलप्रपात में वैशाखी के अवसर पर स्नान करने मात्र से सांप योनि में जन्म लेने से प्राणी मुक्त हो जाता है।

'भारत सरकार' के 'डाक एवं तार विभाग' ने ककोलत जलप्रपात की ऐतिहासिक महत्ता को देखते हुए इस पर पांच रुपये मूल्य का डाक टिकट भी जारी किया था।

ककोलत जलप्रपात की प्राकृतिक छटा इतनी निराली है कि प्रायः इसे बिहार का कश्मीर भी कहके सम्बोधित किया जाता है , कई लोग तो इसे बिहार का नियाग्रा फॉल (Niagara Fall) भी कहते है। आप अगर इस वर्ष गर्मी की छुट्टियों का आनंद लेना चाहते हैं तो अबकी बार यहां का प्लान अवश्य करें ।

नवादा बस पड़ाव से NH 31 पर फतेहपुर मोड़, अकबरपुर प्रखंड होते हुए लगभग 43 कि.मी. की दुरी पर स्थित है।

कहना जरूरी हैं....

पराली ✗ ना जलाए

पराली जलाने से किसानों को कुछ लाभ तो होते ही हैं। इससे खेत में खरपतवार, कीट और कृंतक नष्ट होते हैं। लेकिन किसानों को जितना लाभ नहीं है उससे कहीं ज्यादा नुकसान होता है जो कि सीधा नहीं दिखता है।

खेतों में पराली जलाना आज प्रकृति की सबसे बड़ी समस्या हो गयी है। पराली में आग लगाने के कारण जहां एक ओर पर्यावरण को नुकसान हो रहा है। वहीं जिस खेत में इसे जलाया जा रहा है वहां पर मिट्टी गर्म हो रही है और इसकी उर्रवरकता को नुकसान पहुंच रहा है।

खेत में पराली या फसल के अवशेष को जलाने से मिट्टी में पाए जाने वाले विभिन्न पोषक तत्व जैसे कार्बन, नाइट्रोजन और मिट्टी के कार्बनिक कंटेट को नुकसान होता है । पराली जलाने से वायु प्रदूषण होता है. जानकार बताते हैं कि एक टन पराली जलाने से वातावरण में 1460 किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन होता है. इसके कारण आसपास में रहने वाले लोगों को सांस लेने में समस्या होती है.साथ ही आंख, नाक और गले में परेशानी होती है जबकि पराली को जलाने के बजाय इसका इस्तेमाल पशुओं के के चारे के तौर पर किया जाता है।

पराली जलाने के दौरान आग के बेकाबू होने का भी खतरा रहता है। कई किसान इस आग में अपनी जान भी गंवा चुके हैं। पराली जलने के कारण प्रत्येक वर्ष हजारों वृक्ष और जंगल जल रहे हैं ।

आइए आज से हम शपथ लें कि हम पराली को दूसरे तरह से निबटान करने जैसे पशु आहार, उर्वरक बनाने या अन्य कोई उपाय करेंगे लेकिन अब कभी पराली न जलायेंगे न दूसरे को जलाने देंगे। अपने प्रकृति को नुकसान नहीं होने देंगे।

कुमार राकेश मणि

TEACHERS OF BIHAR
The change makers

वार्षिकोत्सव
13 अप्रैल 2025

गुणकारी फल

आम

आम कच्चे हों या पके हुए, इसे हम सभी रूपों में खाते हैं और साथ ही इसके फायदे भी अलग अलग होते है। गर्मी के मौसम में हम सभी को फलों का राजा आम का बेसब्री से इंतजार रहता है। आम की चटनी, पन्ना, शेक, अचार,और बहुत चीज बनाकर हम आम का खाते हैं इसलिए आम को फलों का राजा कहते हैं।भारत के अलावा आम पाकिस्तान और फिलिपींस का भी राष्ट्रीय फल है। आम के वृक्ष और पत्तियों से कई तरह की औषधि बनाई जाती है। बांग्लादेश का राष्ट्रीय वृक्ष आम का वृक्ष है।आम का पेड़ कितना भी पुराना हो जाए लेकिन इसमें प्रतिवर्ष फल लगते ही रहते हैं।

पहले दक्षिण भारत में आम को मांगा आमकाय कहा जाता था। 1498 में पुर्तगालियों ने इसे मांगो यानी आम का नाम दिया। यहाँ से मैंगो का नाम आया।आम का वैज्ञानिक नाम मैंगीफेरा इंडिका है। आम का प्रमुख उत्पादक देश भारत है। आम की सबसे उच्च प्रजाति हापुस यानी एल्फ़ोंसो आम है। आम को फलों का राजा उसके पौष्टिक गुणों के कारण कहा जाता है। आम विटामिन A, C, E, और B6, पोटेशियम, फाइबर, और एंटीऑक्सीडेंट का एक अच्छा स्रोत है।

" कुमार राकेश मणि "

हम बच्चे मन के सच्चे,
छोटे - नन्हे प्यारे बच्चे ।

सुबह उठते ही शोर मचाते,
अपने कामों में लग जाते।
शौच क्रिया से निवृत हो जाते,
दाँत सफाई में लग जाते।

हल्का-फुल्का नाश्ता करते
फिर पढ़ाई में जुड़ जाते
हम बच्चे हैं, मन के सच्चे,
छोटे- नन्हे, प्यारे बच्चे।

घर से बाहर निकलते हीं
गलियों में रौनक छा जाता
छोटे बड़े सभी लोगों को,
अपने पीछे हैं दौड़ाते ।
खेल-खेल में मित्र बनाते,
साथ - साथ सब पढ़ने जाते।

पढ़-लिखकर जब घर की आते,
सबके मन में हम बस जाते
हम बच्चे है मन के सच्चे,
छोटे - नन्हे, प्यारे बच्चे।

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
बालमन

आपकी कविता

बच्चे मन के सच्चे

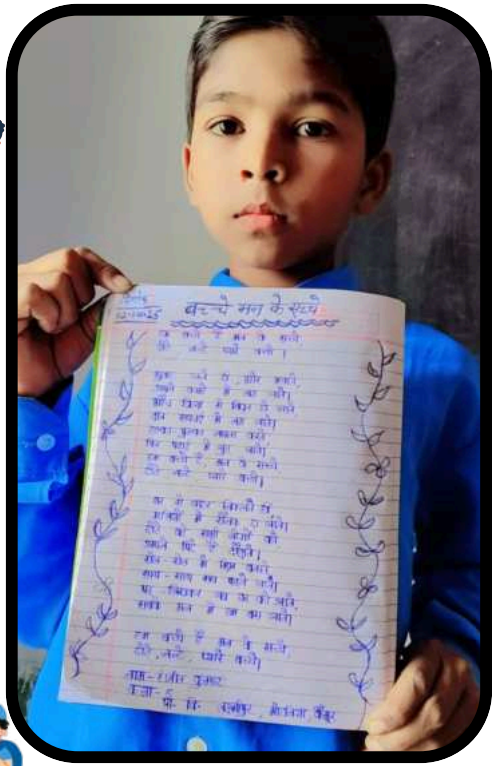

रंजीत कुमार
वर्ग 5
प्राथमिक विद्यालय लक्ष्मीपुर
मोहनियां, कैमूर (बिहार)

बालमन

QUIZ TIME

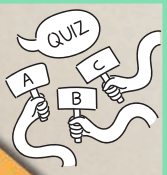

1 भारतीय सेना ने सियाचिन में "ऑपरेशन मेघदूत"की शुरुआत कब की थी?

A. 13 मार्च 1983
B. 13 अप्रैल 1984
C. 27 जून 1984

सही उत्तर :B

2 "माच" किस राज्य की एक लोकप्रिय नाट्य शैली है ?

A. बिहार
B. उत्तर प्रदेश
C. मध्य प्रदेश

सही उत्तर :C

3 किस देश को "संसार की छत" भी कहा जाता है?

A. तिब्बत
B. भारत
C. ऑस्ट्रेलिया

सही उत्तर :A

पृथ्वी दिवस विशेष Part 1

22 अप्रैल

उ० माध्यमिक स्कूल मलहरिया, समेली, कटिहार

प्राथमिक विद्यालय महेश पट्टी नरपतगंज(अररिया)

प्राथमिक विद्यालय लक्ष्मीपुर, रोसड़ा पूर्णिया

राजकीय मध्य विद्यालय नउरी, बरौली गोपालगंज

UMS अर्रा, मोहनियां, कैमूर

प्राथमिक विद्यालय जगरिया, चैनपुर कैमूर

UHS कोटा नुआंव कैमूर

UMS दुदहा, सिवान

आर्यन कुमार,वर्ग 2
गोपालगंज

मध्य विद्यालय सुरीगाँव,बायसी (पूर्णिया)

राजकीय मध्य विद्यालय नउरी, बरौली गोपालगंज

बालमन क्रॉसवर्ड

Multiplication and Division

2		2	÷	1	=	
x		x				x
10		2	x	6	=	12
=		=		x		=
	÷		=	5		
				=		

		25		
		÷		
30				60	÷	2	=	
÷		=		÷				
2	x	5	=					
=				=				
				6				

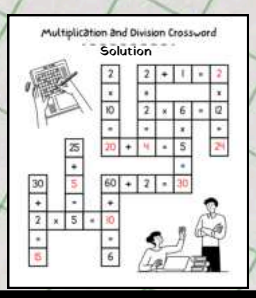

पृथ्वी दिवस विशेष Part 2

सुष्मिता कुमारी, वर्ग ६ (गोपालगंज)

प्रा ०वि ० प्रखंड कॉलोनी फूलवारीशरीफ पटना

प्रा ०वि ० प्रखंड कॉलोनी फूलवारीशरीफ (पटना)

प्राथमिक विद्यालय महेशपट्टी नरपतगंज (अररिया)

प्राथमिक विद्यालय ब्लॉक हेडक्वाटर कस्बा पूर्णिया (बिहार)

मध्य विद्यालय बलुआ, मनेर (पटना)

UMS अर्रा मोहनियां कैमूर

प्रिया कुमारी, वर्ग ६ (गोपालगंज)

बूझो तो जानें

धीरज कुमार

पहेली संख्या 1

सदा तुम्हारे साथ चलता हूं।
तुम जब सोते हो तो मैं भी सो जाता हूं।

उत्तर : परछाई

पहेली संख्या 2

गर्मी में तुमको छाया देता हूं।
ऑक्सीजन दे कर तुम्हारी जान बचाता हूँ।
कई गुणों से भरपूर हूं,धरती की शान बढ़ाता हूं।

उत्तर : पेड़

पहेली संख्या 3

खट्टा और मीठा स्वाद है मेरा, सबको मैं बहुत भाता हूं।
गर्मी में मैं आता हूं,फलों का राजा कहलाता हूं

उत्तर : आम

पहेली संख्या 4

हरा महल के अंदर में लाल दुनिया हैं समाया।
काले - काले सिपाही बहुत है ,इनको हटा कर हमने खाया।

उत्तर : तरबूज

बालमन

व्यक्ति विशेष

डोनाल्ड ट्रंप

जन्म

14-06-1946

45 वें राष्ट्रपति

20-01-2017 से 20-01-2021 तक

47 वें राष्ट्रपति

20-01-2025 से अब तक

डोनाल्ड ट्रंप दो बार अमेरीका के राष्ट्रपति बने हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 9 अप्रैल 2025 को एक 90 दिवसीय वैश्विक टैरिफ विराम की घोषणा की जिसमें चीन को छोड़कर सभी देश शामिल थे। इसे वैश्विक व्यापार पर असर डालने वाला कदम बताया गया।

राजेश कुमार सिंह, कैमूर

बालमन

Eco club family

राजकीय मध्य विद्यालय नेउरी, बरौली (गोपालगंज)

मध्य विद्यालय सिमराहा फारबिसगंज (अररिया)

मध्य विद्यालय सुरीगांव, बायसी (पूर्णिया)

P.M.shri M.S.mirzaganj , Aliganj (jamui)

ToB बालमन
नामांकन जागरूकता

आओ बच्चों मेरे
नामांकन हो रहे तुम्हारे,
स्कूल आओ
संग में माता पिता को भी लाओ।

अब स्कूल आने की करलो तैयारी
आओ विद्यालय में नामांकन है जारी,
तुम आओ बहन को भी लाओ
बहन के अंदर शिक्षा की रोशनी जलाओ
रोज आओ स्कूल
शिक्षा पाओ जरुर
अभिभावक को साथ में लाओ
आओ विद्यालय में नामांकन कराओ।
आओ बच्चों मेरे
हो रहे नामांकन -----२।

पढ़ाई सबके लिए है जरुरी
जैसे मृग के लिए है कस्तूरी,
पढ़ो पढ़-लिखकर कुछ बनकर दिखाओ
और स्वयं की पहचान कराओ,
आओ पढ़ो लिखो
और आगे बढ़ो
मंजिल पाओ
आओ विद्यालय में नामांकन कराओ।

बच्चों पढ़ाई है तेरे लिए लाभकारी
पढ़ोगे तब बढ़ेगी अच्छी जानकारी,
तेरे लिए सबसे अच्छा स्कूल है सरकारी
जो पढ़ते हैं वहीं बनते अधिकारी,
आओ सब बच्चे मिलकर
खेलों गाओ झूम झूमकर
खुशियाँ मनाओ
आओ विद्यालय में नामांकन कराओ,
आओ बच्चों मेरे
हो रहे--------२।

बच्चों तुम्हीं हो अपने देश के भविष्य रे
कराओ नामांकन न लगेगी कोई फ़ीस रे,
सरकार करदी है निःशुल्क शिक्षा
कराओ नामांकन तब होगी परीक्षा,
मैं रोज आती हूँ स्कूल तुम भी आओ
आओ शिक्षा का दीपक जलाओ,
आओ हमसे पूछो
फिर अपने से लिखो,
बढ़ेगी जानकारी
आओ विद्यालय में नामांकन है जारी।
आओ बच्चों मेरे
हो रहे नामांकन तेरे,
अभिभावक को साथ में लाओ
आओ विद्यालय में नामांकन कराओ।
****

नीतू रानी
स्कूल -म०वि०सुरीगाँव
प्रखंड -बायसी
जिला -पूर्णियाँ बिहार।

🌸 नामांकन जागरुकता गीत 🌸

समग्र शिक्षा अभियान आइल बा
चारों ओर उजियार।
शिक्षा शब्द के जे-जे समझींह
सपना होइह साकार।२
छः से चौदह बरिस के उमरीया
इनका से रखीह लगाव हो,
बेटा ही बेटी के भेजीह स्कूलीया,
जनी करीह विलगाव हो।
जाति धरम के भेद मिटइह
बदल जइह विचार।
शिक्षा शब्द के जे.....
मुफ्त में बबुअन के नमवा लिखइह
मुफ्त में मिलीह किताब हो,
एकता के रंग में सब रंगइह,
पहीनी के जइह जब पोशाक हो,
ईर्ष्या घृणा दूर होइह
सबका से करीह प्यार।
शिक्षा शब्द के जे .....
ज्ञान के दियना जरी जब घर -घर
रौशन होई तब नाम हो,
खुश होई दिलवा हर्षित मनवा
लगन रही सुबह -शाम हो।
गांधी भीम राव जइसन बनीह महनवा
देश से मिटइह अत्याचार।
शिक्षा शब्द के जे -जे समझींह
सपना होइह साकार।

संगीता कुमारी
उत्क्रमित मध्य विद्यालय अर्रा
मोहनिया, कैमूर

बालमन कविता

परिवार

परिवार एक ऐसा बंधन है,
इसको ना तोड़ो तुम
इससे नाता जोड़ो तुम।
परिवार में सबका प्यार मिले,
बड़े - छोटे का आशीर्वाद मिले,
परिवार के मुखिया दादा जी
इनकी बात ना करो इनकार,
परिवार एक ऐसा बंधन है
इसको तुम करो स्वीकार।
परिवार में साथ-साथ रहना सीखो
सबका दो हमेशा साथ,
परिवार एक ऐसा बंधन है,
इसको ना तुम करो इनकार।

आकांक्षा कुमारी
वर्ग5
उउत्क्रमित मध्य विद्यालय अर्रा
मोहनियां ,कैमूर(बिहार)

बालमन

बोलती तस्वीरें

Part 1

पुष्पा प्रसाद

राजकीय कन्या मध्य विद्यालय कुचायकोट (गोपालगंज)

उत्क्रमित मध्य विद्यालय, सहसपुर, बारुण, औरंगाबाद
वर्ग 7 ,शिक्षक : शशिधर उज्ज्वल

प्रा ०वि ० प्रखण्ड कॉलोनी फूलवारीशरीफ (पटना)

राजकीय मध्य विद्यालय नेऊरी,बरौली (गोपालगंज)

UHS रामडीहरा, कुदरा, कैमूर

बालमन

विज्ञान कॉर्नर

अध्याय 1 — कक्षा 10

रासायनिक अभिक्रिया एवं समीकरण

TEACHERS OF BIHAR — THE CHANGE MAKERS

1.

परिभाषा - जब एक या एक से अधिक पदार्थ आपस में क्रिया कर एक या एक से अधिक नए पदार्थ का निर्माण करते हैं तो ऐसी क्रिया को रासायनिक अभिक्रिया कहते हैं।

A + B ⟶ C + D

अभिकारक → प्रतिफल

बायां पक्ष → दायां पक्ष

अभिकारक - वह पदार्थ जो रासायनिक अभिक्रिया में भाग लेता है उसे अभिकारक कहते हैं।

प्रतिफल - वह पदार्थ जो रासायनिक अभिक्रिया के फलस्वरूप बनता हैं।

अभिकारक के गुण प्रतिफल के गुण से भिन्न होते हैं।

रासायनिक अभिक्रिया कैसे होती है?

- अभिकारकों के बीच रासायनिक बंधन टूट जाते हैं।
- उत्पादों में परमाणुओं के बीच नए बंधन बनते हैं।
- परमाणुओं को पुनः व्यवस्थित किया जाता है।

2.

रासायनिक अभिक्रिया के प्रकार

रासायनिक अभिक्रिया मुख्यतः 5 प्रकार के होते हैं।

- संयोजन या संश्लेषण अभिक्रिया
- अपघटन या वियोजन अभिक्रिया
- विस्थापन अभिक्रिया
- द्विविस्थापन अभिक्रिया
- ऑक्सीकरण अवकरण अभिक्रिया

4.

संयोजन या संश्लेषण अभिक्रिया

परिभाषा →

जब दो या दो से अधिक पदार्थ आपस में क्रिया कर एक नए गुण वाले पदार्थ का निर्माण करते हैं तो ऐसी अभिक्रिया को संयोजन या संश्लेषण अभिक्रिया कहते हैं।

A + B ⟶ AB

जब मैग्नेशियम के फीते को ऑक्सीजन के उपस्थिति में जलाया जाता है तो अभिक्रिया के बाद मैग्नेशियम ऑक्साइड का सफेद चूर्ण प्राप्त होता है।

$$2Mg + O_2 \longrightarrow 2MgO$$

(मैग्नेशियम, ऑक्सीजन → मैग्नेशियम ऑक्साइड)

जब कैल्शियम ऑक्साइड को जल से अभिक्रिया कराई जाती है तो कैल्शियम हाइड्रोक्साइड बनता है तथा साथ में ऊष्मा निकलती है।

$$CaO + H_2O \longrightarrow Ca(OH)_2 + \text{ऊष्मा}$$

(कैल्शियम ऑक्साइड, जल → कैल्शियम हाइड्रोक्साइड)

3.

रासायनिक अभिक्रिया के गुण या विशेषताएं

रासायनिक अभिक्रिया की कुछ विशेषताएं होती हैं जो ये बताती हैं कि रासायनिक अभिक्रिया हुई है कि नहीं हुई है।

- अवस्था में परिवर्तन
- रंग में परिवर्तन
- ताप में परिवर्तन
- अवक्षेप का निर्माण
- गैस का निष्कासन

राजेश कुमार सिंह

Teachers Of Bihar

आओं सीखें

देश

एक भौगोलिक क्षेत्र होता है — जिसमें सीमाएँ, सरकार और कानून होते हैं।
इसमें ज़मीन, जनसंख्या और प्रशासन शामिल होता है।
यह कहाँ है, उस पर ज़ोर देता है।
जैसे :
भारत हमारा देश है ।

VS

राष्ट्र

एक भावना है जो लोगों को संस्कृति, भाषा, इतिहास और एकता के आधार पर जोड़ती है। राष्ट्र में केवल ज़मीन नहीं, बल्कि संस्कार, संस्कृति और पहचान भी होती है।
यह कैसे लोग हैं, उस पर ज़ोर देता है।
जैसे :
हम सबको राष्ट्र की सेवा करनी चाहिए।

संक्षेप में :-

- देश : नक़्शे पर दिखाई देता है
- राष्ट्र – दिल और सोच में महसूस होता है।

www.teachersofbihar.org

Teachers Of Bihar

मन शांत रखने के 10 सूत्र

- रोजाना ध्यान करें ।
- पहचान पाने की लालसा न रखें ।
- जलन की भावना से बचें ।
- जो कभी बदल नहीं सकता उसे सहना सीखें।
- खुद को माहौल में ढालने की चेष्टा करें ।
- दिमाग़ को खाली न रहने दें ।
- किसी के काम में तब तक दखल न दे, जब तक कि आपसे पूछा न जाए ।
- माफ करना और कुछ बातों को भूलना सीखें ।
- किसी भी काम को टालें नहीं और ऐसा कोई काम नहीं करें , जिससे बाद में आपको पछताना पड़ें ।
- उतना ही काटें जितना चबा सकें , अर्थात् उतना ही काम हाथ में लें, जितना पूरा करने की क्षमता हो ।

www.teachersofbihar.org

बोलती तस्वीरें

part 2

पुष्पा प्रसाद

UMS अर्रा, मोहनिया,कैमूर(बिहार)

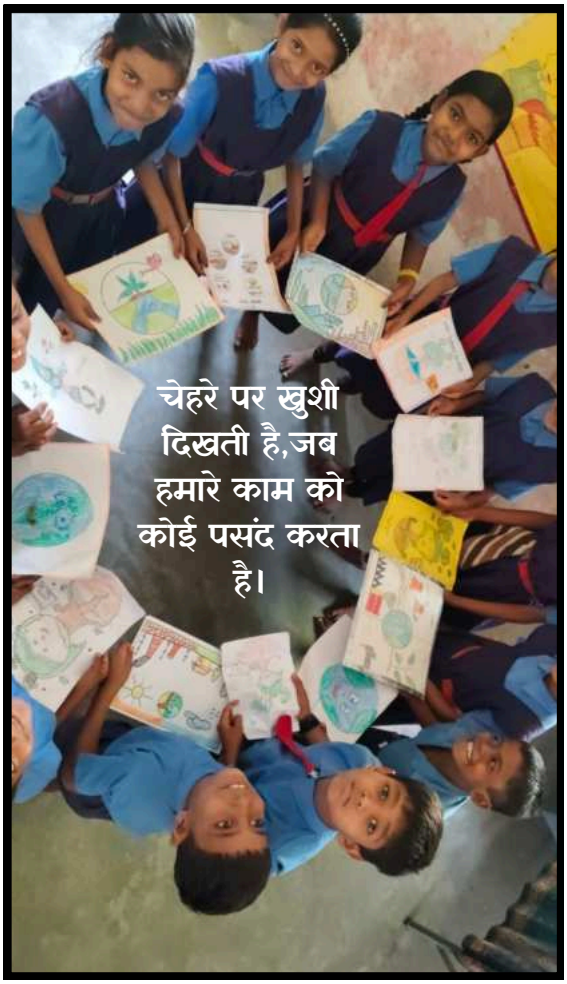

शासकीय प्राथमिक शाला हरदी,
बिलासपुर(छत्तीसगढ़)

उर्दू प्राथमिक विद्यालय अखलासपुर,भभुआ

मध्य विद्यालय सिमराहा, फारबिसगंज (अररिया)

ToB बालमन

अतीत के पन्नों से

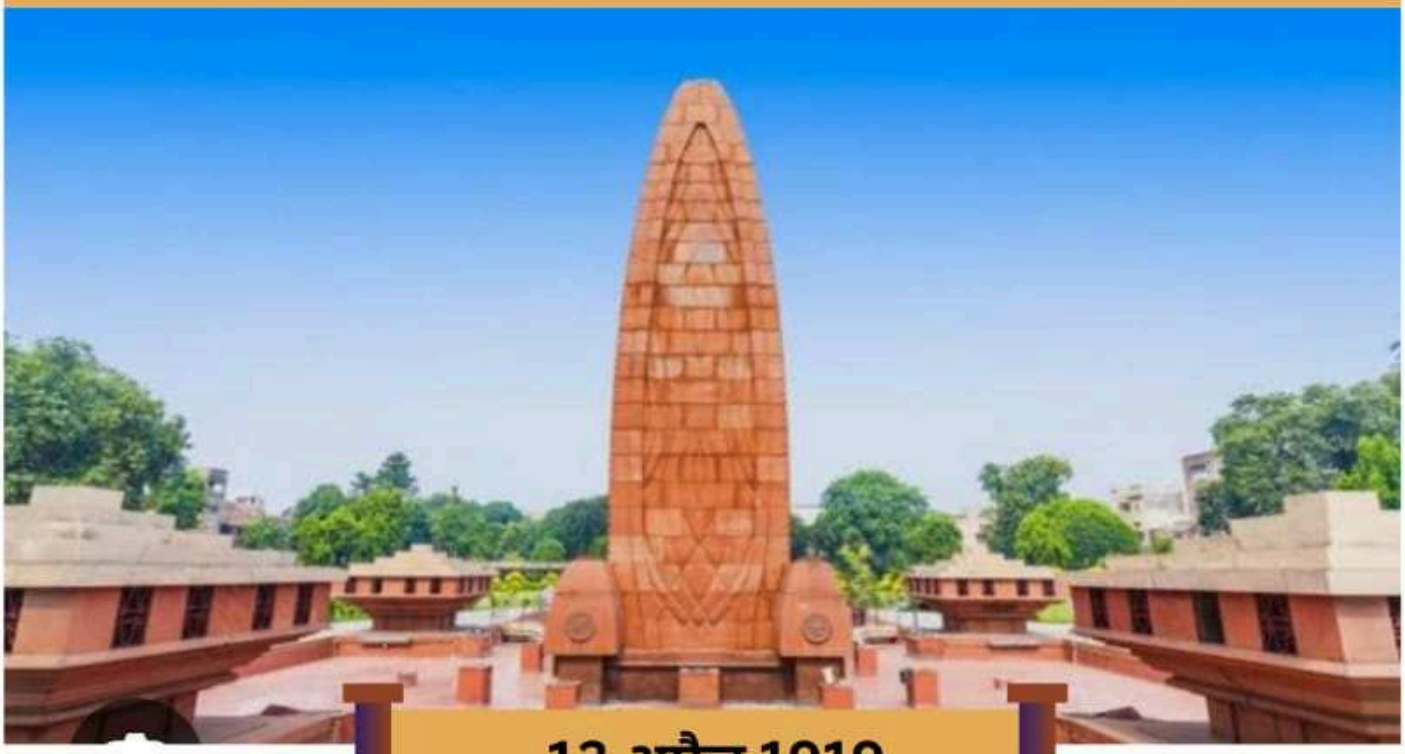

13 अप्रैल 1919
जालियांवाला बाग हत्याकांड

13 अप्रैल 1919 को जनरल डायर ने पंजाब के जलियांवाला बाग में सभा कर रहे 25 से 30 हजार लोगों पर गोलियां चलवाई थी। गोलीबारी के दौरान कई लोग जान बचाने के लिए वहां बने एक कुएं में कूद गए, लेकिन कूदने से उनकी मौत हो गई। इस हत्याकांड में एक हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई, मरने वालों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे।

पुनीता कुमारी

बालमन

बोलती तस्वीरें

Part 3

पुष्पा प्रसाद

राजकीय प्राथमिक विद्यालय पगना, विकासखंड नंदानगर, जिला चमोली (उत्तराखंड)

मशाल 2024-25
राजकीय उ० मध्य विद्यालय सेनुअरिया चनपटिया (पश्चिमी चम्पारण)

प्राथमिक विद्यालय महेशपट्टी, नरपतगंज (अररिया)

UMS रामपुर ,यादव टोला(अररिया)

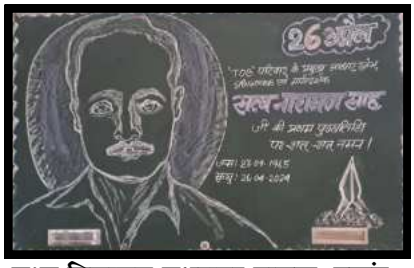

मध्य विद्यालय मधुरापुर बालक, प्रखंड:- नारायणपुर, जिला:- भागलपुर

प्रथम पुण्यतिथि पर
विनम्र श्रद्धांजलि

उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय कराई ,नौबतपुर (पटना)

उत्क्रमित मध्य विद्यालय मोहनपुर (कैमूर)मे मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन

शिक्षा शब्दकोश

व्याख्यान

व्याख्यान (लैटिन से : लेक्टुरा ' पढ़ना ') एक मौखिक प्रस्तुति है जिसका उद्देश्य किसी विशेष विषय के बारे में जानकारी प्रस्तुत करना या लोगों को सिखाना है । व्याख्यान का उपयोग महत्वपूर्ण जानकारी, इतिहास, पृष्ठभूमि, सिद्धांत और समीकरणों को व्यक्त करने के लिए किया जाता है।

बालमन कविता

खरगोश रानी

खरगोश रानी खरगोश रानी
देखने में कितनी सुन्दर हो !

फुदक- फुदक कर चलती हो
सब का मन बहलाती हो

स्वादिष्ट फलो को खाती हो
मोटी होते जाती हो

खरगोश रानी खरगोश रानी
देखने में कितनी सुन्दर हो !

आरती कुमारी
वर्ग 3
प्रा ०वि ० प्रखंड कॉलोनी
फूलवारीशरीफ
पटना (बिहार)

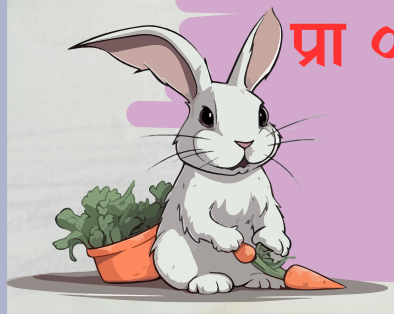

बालमन कविता

लू

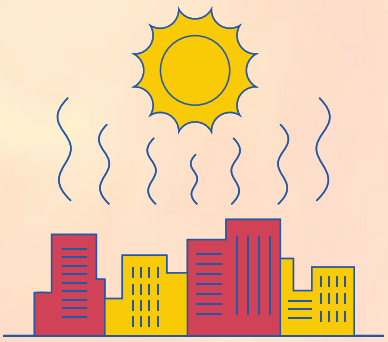

बढ़ती गर्मी, तपती धरती।
गला सुख जब जाता है।।
लू लगने का खतरा बच्चों।
तब समझो बढ़ जाता है।।

टोपी, गमछा, छतरी हाथ में।
रखो पानी शरबत साथ में।।
थोड़ा भोजन, ज्यादा पानी।
कभी ना होगी कोई परेशानी।।

लू लगने पर ना घबराए।
रोगी को छांव में लाएं।।
गीले कपड़े से, या नहलाये।
तन उसका ठंडा करवायें।।

समय-समय पर थोड़ा-थोड़ा,
ओ.आर.एस का घोल पिलाएं।
फिर भी हालत न सुधरे तब।
स्वास्थ्य केंद्र पर ले उसे जाएं।

दुर्ग मांगे (शिक्षक)
प्राथमिक विद्यालय विट्ठलपुर
बक्सर(बिहार)

'टीचर्स ऑफ बिहार' ने स्थापना के छह वर्ष किये पूरे, एएन सिन्हा इंस्टीट्यूट में हुआ कार्यक्रम

वार्षिकोत्सव : नवाचार से बच्चों को पढ़ाने वाले शिक्षक हुए सम्मानित

पटना, कार्यालय संवाददाता। शिक्षा को सशक्त बनाने वाले बिहार के सबसे बड़े टीचिंग लर्निंग समुदाय 'टीचर्स ऑफ बिहार' (टीओबी) ने स्थापना के छह वर्ष पूरे कर लिए। रविवार को एएन सिन्हा इंस्टीट्यूट के सभागार में इस मौके पर वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे। साथ ही शिक्षा विभाग के सचिव अजय यादव, एससीईआरटी के निदेशक सज्जन आर बतौर विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। सभी अतिथियों संग टीओबी के संस्थापक शिव कुमार ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

मौके पर डॉ. एस सिद्धार्थ ने कविता और कहानियों के संकलन गद्य गुंजन-पद्य पंकज, शिक्षकों के विचारों का मुखपत्र अभिमत का विमोचन किया। विशिष्ट अतिथियों ने टीचर्स ऑफ बिहार के नवाचारी परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इनमें पीएम पोषण योजना गणक, द्रोणविद्या और प्रोजेक्ट शिक्षक साथी का शुभारंभ हुआ। एससीईआरटी के निदेशक ने कहा कि समूह के शिक्षकों का कार्य सराहनीय है। मौके पर एससीईआरटी के पूर्व संयुक्त निदेशक सैयद अब्दुल मोइन, डायट की संयुक्त निदेशक डॉ. रश्मि प्रभा, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. उदय कुमार उज्ज्वल रहे।

मुखपत्र अभिमत का विमोचन करते एसीएस डॉ. एस सिद्धार्थ, शिक्षा विभाग के सचिव अजय यादव, निदेशक सज्जन आर व अन्य।

एएन सिन्हा इंस्टीट्यूट में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित हुए शिक्षक।

- शिक्षा विभाग के एसीएस ने टीओबी के नवाचारी परियोजना का शुभारंभ किया
- प्रधानमंत्री पोषण योजना गणक, द्रोणविद्या और प्रोजेक्ट शिक्षक साथी का शुभारंभ

बच्चों को सर्वोपरि रख कल्याण करें

कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने समूह से जुड़े शिक्षकों के नवाचार की सराहना की। कहा कि शिक्षक की नौकरी अन्य नौकरियों से अलग है। इन पर बेहतर समाज निर्माण की जिम्मेदारी होती है। इसलिए शिक्षक कल के भविष्य यानी बच्चों को सर्वोपरि रखें। अपनी तकलीफ को भूल कर बच्चों के कल्याण के लिए कार्य करें। शिक्षकों का कल्याण करने के लिए सरकार है। मौके पर डॉ. सिद्धार्थ, सचिव, निदेशक एससीईआरटी ने नवाचारी शिक्षकों को सम्मानित भी किया।

समूह के कार्यों की एनसीईआरटी ने भी की है सराहना : टीचर्स ऑफ बिहार ने डिजिटल शिक्षा और नवाचारों में बिहार के अलावा राष्ट्रीय स्तर पर भी छाप छोड़ी है। एनसीईआरटी ने भी बिहार की इस शिक्षक समूह के कार्यों की सराहना की है। एनसीईआरटी ने समूह से दूसरे राज्यों को भी सीखने को कहा है।

टीचर्स ऑफ बिहार के 6 साल पूरे, जिले के 7 नवाचारी शिक्षक सम्मानित

कटिहार| टीचर्स ऑफ बिहार के 6 वर्ष पूरे होने पर एएन सिन्हा इंस्टीट्यूट के सभागार में वार्षिकोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ, एससीईआरटी के निदेशक सज्जन आर और टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार ने संयुक्त रूप से किया। मौके पर अपर मुख्य सचिव ने कहा कि टीचर्स ऑफ बिहार ने शिक्षा की तस्वीर बदलने में अहम भूमिका निभाई है। दुर्गम ग्रामीण इलाकों के स्कूलों तक इस समूह के जरिए नवाचार पहुंच रहे हैं। उन्होंने कई नवाचारी शिक्षकों को मंच पर सम्मानित किया। जिसमें कटिहार के समेली में पदस्थापित मृत्युंजयम, बरारी के वीरेंद्र कुमार सिंह, आजमनगर के विप्लव कुमार, कदवा के प्रेम कुमार परदेशी और राजेश कुमार, हसनगंज की मधु कुमारी और समेली की वंदना शामिल रहीं। विप्लव

Bihar's largest professional learning community "Teachers of Bihar" completed six years of establishment, a grand program was held at A.N. Sinha Institute

VIEWER CHOICE NEWS
PATNA, APR 14

Annual function: Teachers teaching through innovative activities in government schools were honored.

? ACS of Education Department Dr. S Siddharth, SCERT Director Sajjan.R and Teachers of Bihar Founder Shiv Kumar, Technical Team Leader Shivendra Prakash Suman launched the innovative project of TOB.

? Launch of PM Poshan Yojana Ganak, Dronvidya and Project Shikshak Sathi

Patna. Bihar's largest teaching-learning community "Teachers of Bihar" (TOB), which strengthens education in government schools of the state, completed six years of establishment. On Sunday, 13 April 2025, an annual function was organized on this occasion in the auditorium of A.N. Sinha Institute. Additional Chief Secretary of Education Department Dr. S Siddharth was present as the chief guest in the program. Also, Education Department Secretary Ajay Yadav, SCERT Director Sajjan.R were present as special guests. TOB founder Shiv Kumar inaugurated the program by lighting the lamp along with all the guests.

On the occasion, Dr. S Siddharth released the compilation of poems and stories Gadya Gunjan-Padya Pankaj, the mouthpiece of teachers' thoughts Abhimat. The special guests launched the innovative projects of Teachers of Bihar. In this, PM Poshan Yojana Ganak, Drona Vidya and Project Shikshak Sathi were launched.

Education Department Secretary Ajay Yadav praised the work of Teachers of Bihar and praised the efforts being made by them in the interest of education and wished for the bright future of the group.

SCERT Director Sajjan.R said that the work of the teachers of the group is commendable.

The members of the Teachers of Bihar group have been working tirelessly for the last six years to bring about a change in the education of Bihar, which is now visible in government schools. Former Joint Director of SCERT Syed Abdul Moin, Joint Director (DIET) Dr. Rashmi Prabha, State Program Officer of Bihar Education Project Council Dr. Uday Kumar Ujjwal were present on the occasion.

روزنامہ انوار قوم

کانپور، لکھنؤ، فتحپور سے شائع

بہار کی سب سے بڑی پیشہ ورانہ تعلیمی برادری

ٹیچرز آف بہار نے قیام کے چھ سال مکمل کر لیے، اے این سنہا انسٹی ٹیوٹ میں شاندار تقریب کا انعقاد

سرکاری اسکولوں میں جدید سرگرمیوں کے ذریعے تدریس کرنے والے اساتذہ کو اعزاز دیا گیا

محکمہ تعلیم کے اے سی ایس ڈاکٹر ایس سدھارتھ، ایس سی ای آر ٹی کے ڈائریکٹر سجن آر اور ٹیچرز آف بہار کے بانی شیو کمار، تکنیکی ٹیم لیڈر انجینئر شیویندر پرکاش سومن نے ٹی او بی کے جدید منصوبے کا آغاز کیا۔ ؟ پی ایم پوشن یوجنا گنک، ڈرون ودیا اور پراجیکٹ ٹیچر ساتھی کا بھی آغاز ہوا۔ پٹنہ۔ ریاست کے سرکاری اسکولوں میں تعلیم کو مضبوط بنانے والی بہار کی سب سے بڑی تعلیم وتعلم کی برادری ٹیچرز آف بہار (ٹی او بی) نے قیام کے چھ سال مکمل کر لیے ہیں۔ اے این سنہا انسٹی ٹیوٹ کے ہال میں اس موقع پر گروہ کا پروگرام منعقد کیا گیا۔ محکمہ تعلیم کے اعلی سیکریٹری ڈاکٹر ایس سدھارتھ بطور مہمان خصوصی موجود تھے۔ ساتھ ہی محکمہ تعلیم کے سیکریٹری اجے یادو، ایس سی ای آر ٹی کے ڈائریکٹر سجن آر بطور معزز مہمان شریک ہوئے۔ تمام مہمانوں کے ساتھ ٹی او بی کے بانی شیو کمار نے روشنی جلائی اور تقریب کا آغاز کیا۔ اس موقع پر ڈاکٹر ایس سدھارتھ نے نظموں اور کہانیوں کے مجموعے گدیہ گونجن-پدیہ پنکج اور اساتذہ کے خیالات پر مبنی رسالہ ابھی مت کا اجرا کیا۔ معزز مہمانوں نے ٹیچرز آف بہار کے جدید منصوبوں کا آغاز کیا، جن میں پی ایم پوشن یوجنا کیلکولیٹر، ڈرون ودیا اور پروجیکٹ ٹیچر ساتھی شامل تھے۔ محکمہ تعلیم کے سیکریٹری اجے یادو نے ٹیچرز آف بہار کے کاموں کی بھرپور تعریف کی اور تعلیم کے فروغ کے لیے ان کی کوششوں کو سراہتے ہوئے گروپ کے روشن مستقبل کی دعا کی۔

नवाचारी शिक्षा • अपर मुख्य सचिव डॉ.एस सिद्धार्थ ने शिक्षकों के नवाचार को सराहा

बेहतर कार्य के लिए कैमूर के 7 शिक्षक सम्मानित

बालमन की प्रति अपर मुख्य सचिव को भेंट की गई

सिटी रिपोर्टर | भभुआ

नवाचारी शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य के लिए कैमूर के सात शिक्षकों को पटना में सम्मानित किया गया है। बता दें कि शिक्षा को सशक्त बनाने वाले बिहार के सबसे बड़े टीचिंग लर्निंग समुदाय टीचर्स ऑफ बिहार टीओबी ने स्थापना के छह वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर पटना के एएन सिन्हा इंस्टीट्यूट के सभागार में वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ.एस सिद्धार्थ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इसके अलावा शिक्षा विभाग के सचिव अजय यादव, एससीईआरटी के निदेशक सज्जन आर विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में मौजूद रहे। सभी अतिथियों के साथ टीओबी के संस्थापक शिव कुमार ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। संकलन विशिष्ट अतिथियों ने टीचर्स ऑफ बिहार के नवाचारी परियोजनाओं का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में शामिल शिक्षक

शिक्षकों पर बेहतर समाज निर्माण की जिम्मेदारी

मुखपत्र अभिमत का विमोचन करते एसीएस डॉ.एस सिद्धार्थ शिक्षा विभाग के सचिव अजय यादव, निदेशक सज्जन आर व अन्य सभी ने एक मत से कहा कि शिक्षक बच्चों को सर्वोपरि रख कल्याण करें। समूह के कार्यों की एनसीईआरटी ने भी सराहना की है। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ.एस सिद्धार्थ ने समूह से जुड़े शिक्षकों के नवाचार की सराहना की। उन्होंने कहा कि शिक्षक की नौकरी अन्य नौकरियों से अलग है। इन पर बेहतर समाज निर्माण की जिम्मेदारी होती है। इसलिए शिक्षक कल के भविष्य यानी बच्चों को सर्वोपरि रखें। अपनी तकलीफ को भूल कर बच्चों के कल्याण के लिए कार्य करें।

कैमूर के ये शिक्षक सम्मानित हुए

कार्यक्रम में शिक्षकों को सम्मानित किया गया। डॉ.सिद्धार्थ सचिव, निदेशक एससीईआरटी ने शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त करने वाले कैमूर के शिक्षक हरिदास शर्मा उत्क्रमित मध्य विद्यालय डडवा, रामगढ़, अनिल कुमार सिंह, आदर्श बालिका उच्च विद्यालय रामगढ़ और विरेन्द्र कुमार सुमन न्यू प्राथमिक विद्यालय तरहनी को बेहतरीन कार्य और नवाचारी शिक्षा के लिए उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा भभुआ के शिक्षक धीरज कुमार, उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा, चांद के रिजवान रिजवी, उर्दू प्राथमिक विद्यालय मलवादिह, चांद के धीरज कांत रजक को सम्मानित किया।

कार्यक्रम • दो प्रोजेक्ट शिक्षक और पीएम पोषण योजना कैलकुलेटर का किया गया विमोचन

अररिया के नवाचारी शिक्षकों को पटना में किया सम्मानित

पटना में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित होते शिक्षक रंजेश कुमार।

समारोह के दौरान सम्मानित शिक्षकगण।

बालमन

मार्च महीने की पत्रिका को पढ़ने के लिए नीचे चित्र पर क्लिक करें।

आप टीचर्स ऑफ बिहार बालमन पत्रिका से जुड़ कर बच्चों की प्रतिभा को एक आयाम देना चाहते हैं तो जरूर संपर्क करे ।

प्रधान सम्पादक: धीरज कुमार (शिक्षक)
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा, भभुआ, कैमूर (बिहार)

Teachers of Bihar- +917250818080

Dhiraj Kumar- +91 9431680675

Info@teachersofbihar.org | teachersofbihar@gmail.com

www.teachersofbihar.org

ToB बालमन के व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़ने के लिए QR कोड को स्कैन करे या क्लिक करे।